ISSN:2349-1043

जेएनयू में फिर विवाद

प्रवासी श्रमिकों का संरक्षण जरुरी

कोरोना वायरस
दो गज दूरी, मास्क है जरुरी

मार्च-दिसम्बर 2020 वर्ष-7 अंक-संयुक्तांक 8 समाचार-विचार की मासिक ₹20/-

युगान्तर टुडे

भारत की प्रतिक्रिया ने
चीन को परेशान कर दिया

वादों पर भारी रहा काम
नीतीश पुन: मुख्यमंत्री

भाजपा का लहराता 'परचम'

कोरोना प्रबंधन और विवादित तीन कृषि कानून
के आरोपों को धता बताकर भारतीय जनता पार्टी ने चौतरफा जीत हासिल की

सेल SAIL

PREFERRED BY ARCHITECTS TRUSTED BY MILLIONS

SAIL ASSURANCE

SAIL TMT

- Earthquake Resistant
- Also available in High Corrosion Resistant
- Good bonding with Cement
- Life of every construction

Applications of SAIL TMT
Reinforcement for homes, high-rise buildings, bridges and other concrete structures

SAIL JYOTI

Galvanized Plain & Corrugated Sheets

- Superior quality
- Light weight but strong
- Available in different thicknesses

Applications of SAIL JYOTI
Roofs of houses, factory sheds, warehouses, panelling, door frames, shutters, storage bins, AC ducts, coolers, ice boxes, drums, buckets, tubs, tanks, accessories, auto sector

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
STEEL AUTHORITY OF INDIA LIMITED

There's a little bit of SAIL in everybody's life

Produce of SAIL's Integrated Steel Plants | Contact your nearest Regional office today

REGIONAL OFFICES

NORTHERN REGION:
17th Floor, North Tower, Core-1,
SCOPE Minar, Laxmi Nagar District Centre
Delhi – 110 092
Email IDs: rmlpnr@sail-steel.com
rmlpnr@sail-steel.com
rmretailnr@sail-steel.com
Tel. Nos: 011-22441825
011-22442105, 011-22444572

EASTERN REGION:
Ispat Bhavan
40 Jawaharlal Nehru Road
Kolkata – 700 071
Email IDs: rmlper@sail-steel.com
rmlper@sail-steel.com
rmretailer@sail-steel.com
Tel. Nos: 033-22880634
033-22882986, 033-22886423

WESTERN REGION:
The Metropolitan
8th & 9th Floors, Bandra-Kurla Complex
Bandra (East), Mumbai – 400 051
Email IDs: rmlpwr@sail-steel.com
rmlpwr@sail-steel.com
rmretailwr@sail-steel.com
Tel. Nos: 022-26571827
022-26571836, 022-26571838

SOUTHERN REGION:
Ispat Bhawan
5 Kodambakkam High Road
Chennai – 600 034
Email IDs: rmlpsr@sail-steel.com
rmlpsr@sail-steel.com
rmretailsr@sail-steel.com
Tel. Nos: 044-28259660
044-28257164, 044-28285009

To view our list of dealers, please visit : www.sail.co.in

ISSN 2349-1043

युगान्तर टुडे

वर्ष : 7 • संयुक्तांक 8 • मुल्य : 20 रुपये

एडिटोरियल एंड एडवाइजरी बोर्ड

डा. राकेश कुमार पाण्डेय,
मनीष मिश्रा, सी.ए. नवीन जोशी,
श्रीमती रुचि वर्मा, धर्मपाल

एडिटर इन चीफ

डॉ. रूपेश कुमार चौहान

एडिटर

राजेश कुमार

एसोसिएट एडिटर

अभिषेक प्रियदर्शी

सब एडिटर

विभाष कुमार

एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर

एन. के. पाण्डेय, ऋषिकेश

मैनेजिंग एडिटर

ठाकुर प्रसाद चौबे

ब्यूरो चीफ

रजनीकांत सिंह

राज्य ब्यूरो

अनिल कुमार त्रिपाठी (दिल्ली),
श्याम सुन्दर पांडेय (पटना),
विवेक एस. तोमर (ग्वालियर),
अजीत पाठक (गोरखपुर),
पवन कुमार सिंह (लखनऊ)

विधि विशेषज्ञ

अरुण कुमार शुक्ला

संपर्क : 9555222474, 9267944100
Email : yugantartoday@gmail.com

संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय
आई-11, ऊषा किरण बिल्डिंग, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, आजादपुर, दिल्ली-110043

रजिस्टर्ड कार्यालय
47, ए-3 ब्लॉक, गली नं. 5,
धर्मपुरा एक्सटेंशन, दिल्ली-110043

प्रकाशित रचना के विचार से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं है। युगान्तर टुडे से संबंधित सभी विवादास्पद मामले दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।

@ रूपेश कुमार चौहान द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित। सामग्री की नकल येन-केन प्रकारेण प्रतिबंधित। युगान्तर टुडे किसी भी न मांगी गई सामग्री को वापस करने की स्वीकारोक्ति नहीं करती।

सभी पद अवैतनिक एवं परिवर्तनीय है।

भाजपा का लहराता परचम 11

मजहबी विभाजन का ऐतिहासिक समाधान 27

जेएनयू में फिर विवाद 39

सुशांत सिंह राजपूत आत्महत्या या साजिश 55

विषय सूची

प्रवासी श्रमिकों का संरक्षण जरूरी 5
युगान्तर टुडे ब्यूरो

कोरोना वायरस 37
युगान्तर टुडे ब्यूरो

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव 43
युगान्तर टुडे ब्यूरो

भारत की प्रतिक्रिया ने चीन को परेशान कर दिया 47
युगान्तर टुडे ब्यूरो

इंडियन प्रीमियर लीग 51
युगान्तर टुडे ब्यूरा

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक रूपेश कुमार चौहान द्वारा 47, ए-3 ब्लॉक, गली नं. 5, धर्मपुरा एक्स., दिल्ली-43 से प्रकाशित एवं डॉल्फिन, प्रिंटोग्राफिक्स, 4 ई/7, पाबला बिल्डिंग, झंडेवालान् एक्सटेंशन, नई दिल्ली में मुद्रित। सम्पादक राजेश कुमार
RNI NO. : DELHI/2014/58939

भ्रम और असमंजस का वर्ष 2020

'युगान्तर टुडे' अब फिर से मुद्रित रूप में आपके समक्ष है। 2020 के शुरुआती तीन अंकों के बाद अचानक से सारी चीजें बंद हो गई समूचा विश्व लॉकडाउन की अवस्था में चला गया। सब कुछ घरों में कैद हो गया। पूरी दुनिया को बीमार बनाने वाला 'कोरोना' ऐसा फैला कि सब जगह दहशत और मौत का मंजर नजर आने लगा। कौन जिंदा बचेगा, कब तक बचेगा कोई नहीं कह सकता था ऐसी दहशत और डर की स्थिति थी कि मृत्यु के बाद कोई कंधा देने वाला भी नहीं था, हर जगह मौत का विलाप, भूख की पीड़ा, पलायन का दर्द था। ऐसी बेतुकी खबर फैली कि अखबारों पत्र-पत्रिकाओं से कोरोना फैलता है। बस एक झटके में सब बंद हो गया। सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक माध्यम ही चल रहे थे। समूचे देश में कर्फ्यू लगा हुआ था। सरकारी टीवी पर भी कोरोना कि विभीषिका और नए दिशा-निर्देश थे वही मनोरंजन चैनलों पर पुराने सीरियल और दूरदर्शन पर रामायण महाभारत का प्रसारण शुरू किया गया। सारे काम-धंधे बंद हो गए, मजदूरों का पलायन शुरू हो गया। इससे पहले भी दिसंबर 2019 से ही नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ शाहीन बाग और देश के अन्य इलाकों में प्रदर्शन चल रहा था। प्रधानमंत्री ने भी उस समय यह कहा कि यह सिर्फ एक कानून का ही विरोध नहीं है। सरकार के तमाम आश्वासनों के बाद भी यह आंदोलन चलता रहा। सविधान और तिरंगे को सामने रख कानून पर ज्ञान दिया जाता रहा जो मात्र संयोग नहीं एक प्रयोग था। जिससे देश पहले से ही परेशान था। जिसकी परिणति दिल्ली दंगे से हुई जो कोरोना के कारण लगने वाले लॉकडाउन के कारण रुका। फिर कोरोना के विरुद्ध लड़ाई शुरू हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने 22 मार्च को जनता कर्फ्यू की अपील की देश ने एकजुटता से उस अपील का समर्थन किया।

उसी दिन कोरोना के खिलाफ लड़ाई में जुटे स्वास्थ्य कर्मियों, पुलिस वालों एवं अन्य लोगों के सम्मान में शाम 5 बजे 5 मिनट के लिए लोगों से ताली-थाली आदि बजाने की अपील की थी, जिसमें लोगों ने भरपूर साथ दिया, कोरोना के खिलाफ युद्ध में लोगों ने ताली, थाली, घंटी, शंख बजाकर एकजुटता दिखाई थी। यह मोदी का करिश्माई नेतृत्व है और जादुई समर्थन कि एक इशारे पर देश उनके साथ खड़ा हो जाता था। उसी क्रम में 5 अप्रैल को एक बार फिर से प्रधानमंत्री के आह्वान पर लोग सब एकजुट हुए रात में 9 बजे 9 मिनट तक दीया जलाकर कोरोना महामारी के अंधकार को चुनौती देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने देश के 130 करोड़ लोगों से अपील की, जिस को लोगों ने बखूबी किया। हर व्यक्ति घर की सभी लाइटें बंद करके अपने दरवाजे या बालकनी में आकर दिया मोमबत्ती, टॉर्च या मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाया। जब चारों तरफ हर व्यक्ति ने एक-एक दीया जलाया तब प्रकाश की महाशक्ति का अनुभव हुआ। उस प्रकाश के बीच हम सब ने अपने मन में संकल्प किया कि हम अकेले नहीं हैं। 130 करोड़ भारतीय एक ही संकल्प से बंधे हैं। हमारे उत्साह से बड़ी कोई ताकत नहीं है। कोरोना के विरूद्ध युद्ध को भी इसी उत्साह से जीतना है। अब लगता है वास्तव में हम भारतीयों ने उस उत्साह को बनाए रखा, परन्तु यह लंबी लड़ाई थी जो आज 10 महीने बाद भी चल रही है। लॉकडाउन पूरी सख्ती से पालन भी किया गया। उसी समय तब्लीगी जमात वाले ने पूरे देश में कोरोना का पहुंचा दिया। देश की राजधानी दिल्ली में तब्लीगी जमात के आयोजन को नहीं रोक पाने को कोरोना वायरस के खिलाफ युद्ध में बड़ा धक्का माना गया। अप्रैल तक देश के कुल कोरोना केस में 30 प्रतिशत इसी तब्लीगी जमात वालों का ही था। विडंबना देखिए कि देश में अपनी लॉकडाउन के दौरान दिल्ली की निजामुद्दीन स्थित तब्लीगी जमात का आयोजन करने वाला के मौलाना साद को अभी तक कानून की दृष्टि में पकड़ा नहीं जा सका है।

मास्क और सैनिटाइजर की किल्लत हो गई। सरकार ने एडवाइजरी जाहिर करते हुए कहा कि घरों से बाहर निकलने पर 'घर पर बना हुआ मास्क पहन सकते हैं। जो लोग बीमार नहीं है या जिन्हें सांस लेने में कोई समस्या नहीं है वह घर पर बना मास्क पहन सकते हैं। बहरहाल कोरोना काल के शुरुआती समय को याद करके या चर्चा करके डराना हमारा उद्देश्य नहीं है। कोरोना की भयावहता को याद करके हम सब सिहर उठते हैं। इस दौरान लोगों के मानसिक सेहत पर गहरा असर पड़ा लॉकडाउन में डिप्रेशन (अवसाद) और एंजाइटी की शिकायत में तीन गुना बढ़ोतरी हुई। महामारी में खासतौर पर कम उम्र के

लोगों, महिलाओं, बेरोजगारों या निम्न आय वाले लोगों का की मानसिक सेहत पर व्यापक प्रभाव पड़ा। संक्रमण के दौर में आर्थिक दशा बिगड़ने को लेकर तनाव और घबराहट की समस्या बढ़ रही है जो अभी तक जारी है। परन्तु कोरोना काल में भारतीय संस्कृति का व्यवहारिक रूप हम सब ने देखा। पूरी दुनिया को नमस्ते कहकर हाथ जोड़कर अभिवादन करना भारत ने सिखा दिया। नमस्ते के इस भाव से नम्रता बढ़ती है वहीं यह मन को सकारात्मक अवस्था में लाने में मदद करता है।

''नमस्ते'' प्राचीन काल से अपने देश में है। जिसको देश के तथाकथित श्रेष्ठ और प्रगतिशील समझे जाने वाले लोगों ने इसे अपना लिया। यह कोरोना के डर से हुआ लेकिन अच्छा हुआ। लॉकडाउन में व्यक्ति के जीवन में बढ़ती जटिलता, मानसिक अशांति का समाधान भारत की इसी सत्य सनातन संस्कृति में निहित योग से मिला। भले ही छठे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कोई सामूहिक कार्यक्रम आयोजित नहीं हुआ लेकिन पूरी दुनिया डिजिटल माध्यम से जुड़कर योग, प्राणायाम, ध्यान करती देखी। योग को प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) बढ़ाने में मददगार बताया जाता है। प्रधानमंत्री ने योग दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि कोरोना वायरस मूल रूप से शरीर की श्वसन प्रणाली पर हमला करता है और प्राणायाम में कई क्रियाएं हमारी श्वसन प्रणाली को मजबूत और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करती है। यही कारण है कि पूरी दुनिया में बड़ी संख्या में कोरोना के मरीज प्राणायाम के सहारे कोरोना का मात दे रहे हैं। योग से मानसिक शांति मिलती है और साथ ही संयम और सहनशक्ति भी बढ़ती है। स्वामी विवेकानंद ने भी योग के संदर्भ में कहा है कि इससे व्यक्ति नितांत निर्जन क्षेत्र में भी क्रियाशील रहता है। अनुकूलता-प्रतिकूलता, सफलता-असफलता सुख-संकट हर परिस्थिति में समान रहने, अडिग रहने, का नाम योग है। कोरोना काल में हम सब की दिनचर्या में व्यापक बदलाव हो गया है। खान-पान, रहन-सहन, सोने-जागने खेलने-घूमने, सामाजिक मेलजोल शादी-ब्याह से लेकर टीवी देखने के तरीके तक बदल चुके हैं। शिक्षा का माध्यम ऑनलाइन हो चुका है। रोजगार में वर्क फ्रॉम होम चल रहा है। भारतीय मनोरंजन उद्योग में भी बहुत परिवर्तन हुआ। फिल्मों और धारावाहिकों की शूटिंग मार्च से बंद हो गई। सिनेमाघर भी उसी समय से बंद है। कुछ जगह खुले हैं तब भी लोग नहीं जा रहे हैं, इसलिए इंटरनेट माध्यम पर फिल्में रिलीज हो रही हैं। जैसे जैसे समय बीत रहा है पूरी दुनिया ने कोरोना के साथ रहना सीख लिया है। कोरोना ने सबको हिला दिया है। सारे कारोबार एकदम ठप्प से हो गए हैं। बेशक कुछ ट्रेन, एयरलाइंस, बस जैसे आवागमन के साधन खुले हैं। उसी तरह स्कूल, कॉलेज, धर्मशाला, पर्यटक स्थलों, शॉपिंग मॉलस आदि धीरे-धीरे खुल रहे हैं। परंतु इंटरनेट ने कई चीजें सहूलियत से उपलब्ध भी करा दिया है। विश्वव्यापी लॉकडाउन के बाद भी आईपीएल भी दुबई में हुआ। परंतु इस सब के बीच राजनीतिक गतिविधियों भी चलती रही। मध्यप्रदेश में कमलनाथ की सरकार गिर गई। मध्य प्रदेश में महाराज के नाम से विख्यात ग्वालियर राजघराने के ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 18 वर्षों तक कांग्रेस का हाथ थामने के बाद भाजपा का दामन थामा और शिवराज सिंह चौहान को मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश बना दिया। फिर वे स्वयं भाजपा से राज्यसभा सांसद बन गए। उनके अब मोदी मंत्रिमंडल में शामिल होने की प्रतीक्षा है। सिंधिया के कारण ही 15 महीने बाद मध्य प्रदेश में भाजपा की वापसी हो गई तो भाजपा भी उनको रिटर्न गिफ्ट जरूर देगी। राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव भी संपन्न हुए इस 61 सीटों के चुनाव में 72 प्रतिशत नए चेहरे सांसद बने। राजस्थान में सियासी उथल-पुथल भी चर्चा में रहा लेकिन सचिन पायलट, ज्योतिरादित्य सिंधिया की तरह साहसी नहीं निकले। खरीद-फरोख्त का मामला गरमाया लेकिन कांग्रेस और अशोक गहलोत अपनी कुर्सी बचाने में सफल रहे। इधर दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के अंतरिम अध्यक्ष के खिलाफ विद्रोह कर दिया। 23 नेताओं में गुलाम नबी आजाद से लेकर आनंद शर्मा तक शामिल है। 23 नेताओं के इस अप्रत्याशित व्यवहार से सोनिया गांधी परिवार स्तब्ध है। सोनिया गांधी निसंदेह कांग्रेस की चमत्कारी अध्यक्ष रही हैं। जब उन्होंने पार्टी की कमान संभाली थी तब पार्टी की स्थिति अच्छी नहीं थी 1998 से वह पार्टी का नेतृत्व कर रही हैं। जिसमें 1998 और 1999 पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था। वही 2004 और 2009 में पार्टी लगा पार्टी लगातार सरकार बनाने में सफल रही। 2014 और 2019 में कांग्रेस की हार राहुल गांधी के कारण हुई। बहरहाल कांग्रेस अपने आप कमजोर होती जा रही है। जिसमें कुछ चाटुकारों की बहुत बड़ी भूमिका है 2020 राहुल गांधी और कांग्रेस के लिए कोई शुभ सूचना लेकर नहीं आया। 21वीं सदी की जरूरतों को पूरा करने वाली नई शिक्षा नीति को भी देश में लागू किया गया। मजबूत शिक्षा नीति को लागू करना सरकार के सिर्फ संवैधानिक ही नहीं बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। जिसे वह पूरी ताकत से लागू कराने में जुटे हुए हैं। यह विडंबना ही है कि प्राचीन काल में विश्व भर में शिक्षा का सम्मानित केंद्र के रूप में तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों का जिक्र होता है लेकिन आज एक भी भारतीय उच्च शिक्षण संस्थान वैश्विक रैंकिंग में शीर्ष पर नहीं है। हम सब यह उम्मीद कर सकते हैं कि नई शिक्षा नीति के कारण वह गरिमा में स्थान प्राप्त कर सकते हैं। क्रिकेट के क्षेत्र में 15 अगस्त को महेंद्र सिंह धोनी और सुरेश रैना ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक संन्यास ले लिया। यह आश्चर्यजनक है कि

क्यों उन दोनों ने स्वतंत्रता दिवस को ही सन्यास के लिए चुना। लेकिन प्रधानमंत्री ने धोनी को पत्र लिखकर तारीफ की है। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि आपके सन्यास से 130 करोड़ भारतीय निराश हैं लेकिन आपके योगदान के लिए शुक्रगुजार भी हैं। मुश्किल हालात में आप पर निर्भरता और मैच खत्म करने की आपका स्टाइल खासतौर पर 2011 वर्ल्ड कप फाइनल, पीढ़ियों तक याद रहेगा। आपको सिर्फ एक खिलाड़ी के रूप में देखना अन्याय होगा। एक छोटे शहर से उठकर आप राष्ट्रीय पटल पर छा गए आपकी तरक्की ने उन करोड़ों नौजवानों को प्रेरणा दी है जो महंगे स्कूलों में नहीं गए। लेकिन उनके पास क्षमता है। इसी बीच कोरोना कॉल में एक बार फिर से पड़ोसी चीन ने धोखा दिया। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अतिक्रमण को लेकर भारत और चीन की सीमाओं के बीच जारी तनातनी ने 15 जून की रात हिंसक झड़प का गंभीर रूप ले लिया। आधिकारिक रूप से इस झड़प में एक कर्नल सहित 20 भारतीय सेना कर्मी शहीद हुए। 17 अन्य जवान बुरी तरह घायल हो गए थे। शहीद जवानों में से 16 बिहार रेजिमेंट के थे। इस झड़प में चीन के भी 43 सैनिकों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। खास बात यह रही कि इस झड़प में दोनों ओर से एक भी गोली नहीं चली। 45 साल बाद भारत और चीन के बीच ऐसी झड़प हुई थी। गौरतलब है कि गलवान घाटी में हिंसक झड़प की शुरुआत चीन की तरफ से हुई थी। भारतीय सैनिकों ने आंख में आंखें डाल कर चीनी सैनिकों का सामना किया। चीनी सैनिकों ने यह दुस्साहस किया जिसका पूरा और माकूल जवाब दिया गया। 20 सैनिकों के शहीद होने से भारत आक्रोशित है। बहरहाल इस विश्वासघाती घटना कोरोना काल की सबसे बड़ी दुखदाई घटना रही। इसी कोरोना काल में भारतीय वायुसेना में राफेल विमान को शामिल किया गया। राफेल जेट की 2, 223 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड है दो इंजन वाला यह फाइटर जेट विजयदशमी को सेना में शामिल हुआ।

मैं भावुक हो रहा हूं कि इसी संपादकीय में बहुत कुछ कहना चाह रहा हूं, बहुत कुछ कहा भी जा सकता है, लगातार सात आठ महीने से हमने भी अपने को रोक कर रखा है। इसलिए परंपरा से अलग यह संपादकीय एक पेज से अधिक का हो रहा है। जैसा कि हमने शुरू में ही कहा कि 2020 आंदोलनों से शुरू हुआ और आंदोलनों में ही समाप्त हो गया। शाहीन बाग वाली शैली किसान आंदोलनों की भी है। इस पर विस्तृत बात जनवरी अंक में करूंगा। लेकिन किसान आंदोलन वास्तव में कुछ और ही आंदोलन है। 16 मई को अम्फान और 3 जून को निसर्ग तथा लगातार भूकंपों ने दिल्ली को दहशत में रखा। दिल्ली हमेशा परेशान रही। कई लोग कोरोना के कारण चले गए जिसमें पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न प्रणव मुखर्जी भी शामिल है। फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत इस कोरोना का की सबसे बड़ी चर्चित मर्डर मिस्ट्री रही। सुशांत सिंह राजपूत 14 जून को मुंबई के बांद्रा स्थित अपने घर में मृत पाए गए थे तब से रोज नई नई बातें सामने आ रही है। सुशांत की मौत के बाद उनकी चार बहनों एवं बुजुर्ग पिता ने बड़ी लंबी लड़ाई महाराष्ट्र सरकार से लड़ी। सर्वोच्च न्यायालय से लेकर बिहार सरकार तक में मामला पहुंचा और अंत में सीबीआई को जांच करने को कहा गया। कहानी में फिल्म दुनिया के दांव-पेंच से लेकर निजी जिन्दगी तक की बात भी सामने आई। बॉलीवुड में नशे के बढ़ते साम्राज्य के भी भरपूर प्रमाण मिले। फिल्मी दुनिया के ड्रग्स की बात संसद तक पहुंची। गोरखपुर से भारतीय जनता पार्टी के सांसद और भोजपुरी फिल्मों के अभिनेता रवि किशन ने ड्रग्स का मामला लोकसभा में उठाया। रवि किशन द्वारा इस मामले को उठाने के बाद राज्यसभा में समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने कहा कि कुछ लोग जिस थाली में खाते हैं उसी में छेद करते हैं। बस कुछ दिनों तक यह मामला भी खूब गर्म रहा। कंगना रनौत का मामला भी इसी से जुड़ा और महाराष्ट्र सरकार ने प्रतिशोध के रूप में उसके ऑफिस को गिरा दिया। बहरहाल वंशवाद से ड्रग्स तक सुशांत सिंह का मामला चला आगे क्या होगा यह है यह नहीं कहा जा सकता। अभी भी जांच जारी है।

अंत में तीन बातें और कहना चाहता हूं बिहार में मोदी के कारण 15 वर्ष बाद भी नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनने में सफल रहे। वहीं तमाम अगर-मगर के बीच टीवी, न्यूज चैनलों की दुनिया और विज्ञापन के लिए भी जो आंकड़ों में हेराफेरी करती है वह उजागर हो गई। एक चैनल जो पिछले 18 वर्षों से न्यूज की नंबर 1 चैनल बना हुआ था उसको एक अन्य चैनल ने उठाकर दूसरे नंबर पर डाल दिया। वर्तमान परिदृश्य में प्रधानमंत्री मोदी जी आत्मनिर्भर भारत का सपना भी साकार हो रहा है। लोकल को वोकल करने पर उनका विशेष आग्रह है। महात्मा गांधी के पंचायती राज्य की तरह मोदी जी भी पंचायतों से लेकर हर क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयत्नशील हैं। लगभग पांच सदी की लंबी प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन संपन्न हो गया। कोरोना के बावजूद समूची दुनिया में करोड़ों राम भक्तों ने इस अद्भुत समारोह का स्वागत और अभिनंदन किया। 5 अगस्त 2020 को शुभ मुहूर्त 12.44 मिनट पर भूमि पूजन प्रधानमंत्री ने किया। कोरोना काल में संसाधनों की कमी और टीम के कई सदस्यों के कोरोना की चपेट में आने के कारण प्रिंटिंग प्रेस और पेज सेटिंग इत्यादि करने वाले तमाम सहयोगियों की उपलब्धता दिल्ली में नहीं होने के कारण मार्च से प्रकाशन नहीं हो रहा था, अब इस संयुक्तांक से फिर आपके समक्ष उपस्थित हूं। आपका स्नेह पूर्ववत मिलेगा यही अपेक्षा है।

-राजेश कुमार

बेटी बचाओ
बेटा पढ़ाओ

घर की सब चहल-पहल है बेटी,
जीवन में खिला कमल है बेटी।

युगान्तर टुडे

के इस संकल्प में सहभागी बनकर
देश-हित में योगदान दें।

RNI NO. : DELHIN/2014/58939